नये नेतृत्व का स्वागत

महाप्रबंधक का शुभकामना संदेश

प्रिय पाठको,

विश्व की पहली लेडीज स्पेशल लोकल ट्रेन चलाने, क्षेत्रीय रेलों के अंतर्गत पहली वेबसाइट शुरू करने और देश की पहली नैरोगेज प्रणाली की स्थापना का श्रेय रखने वाली पश्चिम रेलवे अनेक क्षेत्रों में अग्रणी रही है और यात्रियों के हित में इसके हरसम्भव प्रयासों की विकास यात्रा निरंतर जारी रही है, जिनकी बदौलत इस क्षेत्रीय रेलवे की तुलना भारतीय रेल प्रणाली की चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय रेलों में की जाती रही है। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, बेहतर यात्री सेवाओं एवं सुविधाओं तथा नवीनतम प्रौद्योगिकी के सार्थक उपयोग के ज़रिये अपने रेल तंत्र को लगातार प्रोन्नत करने में पश्चिम रेलवे ने हमेशा बाजी मारी है, लेकिन मुझे खुशी है कि पिछले दिनों पश्चिम रेलवे ने रचनात्मक उत्कृष्टता के क्षेत्र में भी अपनी सर्वोच्च कामयाबी का शानदार परचम लहराया है और इसकी लोकप्रिय गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा निदेशालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गृह पत्रिका प्रतियोगिता में देश की सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का प्रथम पुरस्कार जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

'रेल दर्पण' के नवीनतम अंक में मुख्यत: पश्चिम रेलवे की 84 वर्ष पुरानी डी सी विद्युत कर्षण प्रणाली को पिछले दिनों दी गई विदाई के विविध सचित्र पहलुओं को बखूबी शामिल किया गया है। खास तौर पर 4 फरवरी, 2012 को डी सी कर्षण को विदाई के अवसर पर चर्चगेट स्टेशन पर लगायी गयी प्रदर्शनी में शामिल सचित्र सामग्री को रेल दर्पण के ज़रिये पाठकों को उपलब्ध कराना सचमुच एक सराहनीय पहल है। मुझे विश्वास है कि पूर्णत: ए सी कर्षण के नये दौर में पश्चिम रेलवे की उपनगरीय प्रणाली मुंबई के रेल यात्रियों की हर सम्भव बेहतर सेवा करते हुए कामयाबी की नई बुलंदियाँ हासिल करेगी।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का कार्यभार ग्रहण करने के फलस्वरूप 'रेल दर्पण' जैसी लोकप्रिय एवं स्तरीय गृह पत्रिका का संरक्षक बनकर मैं स्वयं भी गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। इस सर्वश्रेष्ठ पत्रिका के पिछले कुछ अंकों का अवलोकन करने पर इसकी उच्चस्तरीय मुद्रण गुणवत्ता और पठनीय एवं सुरुचिपूर्ण सामग्री का आकर्षक प्रस्तुतीकरण सचमुच प्रभावित करता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस पत्रिका के ज़रिये जहाँ एक ओर देश के लब्ध प्रतिष्ठित कवियों एवं लेखकों की प्रभावशाली रचनाओं से हम लाभान्वित होते हैं, वहीं यह पत्रिका रेल परिवार के उदीयमान रचनाकारों को भी अपना हुनर दिखाने और वैचारिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच प्रदान करती है। महामहिम राष्ट्रपति महोदया के हाथों राष्ट्रीय स्तर का सर्वोच्च पुरस्कार पाने पर 'रेल दर्पण' के प्रधान सम्पादक श्री शरत चंद्रायन और उनकी समूची सम्पादकीय टीम हार्दिक अभिनंदन की हकदार है, लेकिन सर्वश्रेष्ठ बन जाने के बाद श्रेष्ठता के इस सिलसिले को बरकरार रखना बहुत ज़रूरी है। मुझे विश्वास है कि 'रेल दर्पण' की सम्पादकीय टीम उत्कृष्ट गुणवत्ता का अपना सफ़र भविष्य में भी जारी रखेगी और पिछले 12 वर्षों में हासिल 30 से अधिक प्रतिष्ठित पुरस्कारों की संख्या में निरंतर श्रीवृद्धि सुनिश्चित करेगी। अंत में आप सभी पाठकों को भारतीय नव वर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए मैं 'रेल दर्पण' की निरंतर सफलता और सभी के सुखद भविष्य के लिए अपनी ओर से मंगल कामनाएँ प्रकट करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभाकांक्षी,

(महेश कुमार)

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे

श्री महेश कुमार पश्चिम रेलवे के नये महाप्रबंधक

श्री महेश कुमार ने 9 नवम्बर, 2011 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का कार्यभार ग्रहण किया। श्री महेश कुमार ने 1975 में रुड़की विश्वविद्यालय (अब आई आई टी रुड़की) से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आप भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी सेवा (आईआरएसएसई) 1975 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

श्री कुमार को रेलवे के विस्तृत तकनीकी, प्रशासकीय एवं परियोजनागत कार्यों का गहन अनुभव प्राप्त है। अपने विशिष्ट सेवा काल में आपने रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सिगनल), कार्यकारी निदेशक (टेलीकॉम), मंडल रेल प्रबंधक, चैंगलीर, भारतीय रेलवे परियोजना प्रबंधन इकाई नई दिल्ली के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तथा रेलवे बोर्ड में ही अतिरिक्त सदस्य (सिगनल) के महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए विभिन्न चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों का वहन किया है। श्री महेश कुमार की सर्वाधिक उल्लेखनीय उपलब्धि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर केवल 36 घंटों के न्यूनतम समय में विश्व की सबसे बड़ी रूट रिले इंटरलॉकिंग प्रणाली की स्थापना का कार्य सम्पन्न करने की है, जिसके लिए इस विशिष्ट उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया।

आप इस उपलब्धि को हासिल करने वाले भारतीय रेलवे के एक मात्र अधिकारी हैं। इसके साथ ही आपको 3-4 घंटों के ब्लॉक में प्रमुख दोहरीकरण परियोजनाओं की स्थापना करने, वर्ष 2010-11 के अभिनव प्रयोग के तौर पर कोहरे के दौरान सुरक्षित ट्रेन परिचालन हेतु मॉडिफाइड ऑटोमैटिक सिगनलिंग शुरू करने, सैटेलाइट के द्वारा यात्री आरक्षण प्रणाली की स्थापना, 139 नम्बर वाली देश की सर्वप्रथम समेकित रेलवे कॉल सेन्टर की स्थापना तथा अत्यंत अल्पावधि वाले ब्लॉक्स में प्रमुख यार्ड रिमॉडलिंग कार्यों को सम्पन्न करने जैसे अनेक अभिनव कार्य करने का श्रेय प्राप्त है। श्री महेश कुमार माननीय रेल मंत्री तथा रेलवे बोर्ड स्तर सहित विभिन्न अवॉर्ड प्राप्त कर चुके हैं। उन्नत रेलवे टेक्नीलॉजी एवं परिचालन के अध्ययन हेतु आपने इंग्लैंड, जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड, स्वीडन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस तथा मलेशिया की यात्राएँ की हैं।

हमारे नये प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक

श्री सुनील गोयल
मुख्य बिजली इंजीनियर

श्री काली शंकर
मुख्य भंडार नियंत्रक

डॉ. एच.एम.जैन
मुख्य चिकित्सा निदेशक

श्री वी. के. संगल
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.)

श्री जी. एस. दूटेजा
मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर

श्री नदीन शुक्ला
मंडल रेल प्रबंधक, वडोदरा

श्री विनय बाबतीवाले
मंडल रेल प्रबंधक, राजकोट